10 अगस्त 2017 को ओ०एन०जी०सी०, सी.बी.एम., बोकारो भ्रमण के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण

Oil and Natural Gas Corporation Limited, Coal Bed Methane Asset, बोकारो में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि सभी जानते हैं कि O.N.G.C. को Petroleum and Natural Gas के अनुसंधान एवं उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में अग्रणी उपक्रम माना जाता है। यह पिछले कई दशकों से उर्जा के क्षेत्र में अपनी कामयाबी से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। राष्ट्र के विकास को गति प्रदान करने के लिए उर्जा की जरूरत से सभी अवगत हैं। प्रसन्नता का विषय है कि इस दिशा में O.N.G.C. जैसी संस्था निरंतर कार्य कर रही है

आज का दिन अत्यन्त सुखद है। इसका कारण हमारे संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष भारतरत्न बाबासाहेब डॉ० भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा की स्थापना हेतु पहल किया जाना है। सर्वप्रथम मैं उन्हें नमन करती हूँ एवं उनके प्रति अपनी असीम श्रद्धा—सुमन अर्पित करती हूँ। बाबासाहेब में ऐसी शक्ति थी जिससे पूरा समाज प्रेरित होकर रचनात्मक कार्यों में जुट जाता था। वे सही अर्थ में समाज के प्रेरक एवं मार्गदर्शक थे। उनका दर्शन एवं चिंतन समाज की समस्याओं पर आधारित था तथा उसमें समस्याओं के निराकरण एवं निदान हेतु बैचेनी भी झलकती है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया था कि शिक्षित बनो!! संगठित रहो!! संघर्ष करो!! उन्होंने उस समय के समाज में व्याप्त भेद—भाव, छुआ—छूत, अस्पृश्यता को मिटाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। आज समाज में दलित व अछूत वर्ग के लोगों को जो सम्मानजनक

स्थान प्राप्त हुआ है, उसका बहुत बड़ा श्रेय निश्चित ही डा0 अम्बेदकर को जाता है, क्योंकि उन्होंने आजीवन सामाजिक स्वतंत्रता, समानता व न्याय के लिए संघर्ष किया। बाबा साहेब के विचारों का अनुपालन करके हम अपने देश को विकास एवं प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ा सकते हैं एवं समतामूलक समाज का उनका सपना पूरा कर सकते हैं। बाबा साहब का सबको शिक्षित होने का संदेश से अभिप्राय सिर्फ साक्षरता से नहीं है, गुणवत्तायुक्त शिक्षा से है। डिग्री हासिल करना ही मकसद नहीं होना चाहिये, सभी ज्ञानवान बनें, इस ओर ध्यान दें। उनके विचारों एवं संदेश को कहाँ तक आत्मसात कर पाये हैं, इस पर सबको मंथन करना चाहिये तथा कमियों को दूर कर आगे बढ़ना चाहिये। इस परिसर में बाबासाहेब की प्रतिमा की स्थापना कहीं—न—कहीं प्रेरणा का कार्य करेगा, ऐसा मुझे विश्वास है।

इस अवसर पर मैं यह भी कहना चाहूँगी कि O.N.G.C. जैसे प्रतिष्ठित उपक्रम को अधिक—से—अधिक सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिये। वे इतना कार्य करें कि अन्य प्रतिष्ठान एवं लोक तथा निजी उपक्रम भी C.S.R. के तहत कार्य करने के लिए प्रेरित हों। O.N.G.C. जैसे प्रतिि ठत उपक्रम मार्गदर्शक बनें। ऐसा मैं इसलिए कह रही हूँ कि विकास का मकसद ही सबका कल्याण है। इसकी किरण समाज के सबसे कमजोर तबके तक पहुँचाना है ताकि वे उन्नति कर सकें। सभी की उन्नति में ही रा ट्र की प्रगति निहित है। इसलिए O.N.G.C. को शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पेयजल, महिला सशक्तीकरण इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक दायित्वों के तहत सक्रियतापूर्वक कार्य करना

चाहिये। मैं चाहूँगी कि O.N.G.C इन क्षेत्रों में रोलमॉडल का कार्य करें।

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि अपने सुदूर परिचालन क्षेत्रों के बच्चों को चिह्नित कर O.N.G.C ने उनके कौशल विकास की ओर महत्वपूर्ण प्रयास किया है। इस अवसर पर मैं, चास के I.T.I. Course में O.N.G.C द्वारा चयनित सभी students को बधाई देती हूँ और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना करती हूँ। मुझे आशा है कि आप इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे और एक अच्छे और समर्थ नागरिक बनकर देश के विकास में अपना योगदान देंगे।

''कुशल भारत–कौशल भारत'' की कल्पना के साकार करने की दिशा में O.N.G.C का यह प्रयास सार्थक और सराहनीय है। आशा है कि यह उपक्रम अधिक–से–अधिक बच्चों के बेहतर कौशल विकास की ओर ध्यान देगा तथा राज्य एवं रा ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जय हिन्द्! जय झारखण्ड!